PLUTUS IAS

CURRENT AFFAIRS

Argasia Education PVT. Ltd. (GST NO.-09AAPCAI478E1ZH)
Address: Basement C59 Noida, opposite to Priyagold Building gate, Sector 02,
Pocket I, Noida, Uttar Pradesh, 201301, CONTACT NO:-8448440231

Date –07- December 2024

राष्ट्रीय सुरक्षा पर मंथन : पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों का 59 वां अखिल भारतीय सम्मेलन

खबरों में क्यों ?

- भारत के विभिन्न राज्यों के पुलिस महानिदेशकों एवं विभिन्न सुरक्षा बलों के महानिरीक्षकों का 59 वां अखिल भारतीय सम्मेलन ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित राज्य सम्मेलन केंद्र में आयोजित किया जाएगा।
- तीन दिवसीय इस सम्मेलन में आतंकवाद विरोधी, वामपंथी उग्रवाद, तटीय सुरक्षा, नए आपराधिक कानून और मादक पदार्थों सहित प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक भी प्रदान किया जाएगा।

- यह सम्मेलन वरिष्ठ पुलिस पेशेवरों को अपराध नियंत्रण, कानून और व्यवस्था तथा आंतरिक सुरक्षा से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

भारत में राज्य पुलिस सेवा :

1. **संरचना :** प्रत्येक भारतीय राज्य का अपना पुलिस बल होता है, जिसका नेतृत्व पुलिस महानिदेशक (DGP) करता है। राज्य पुलिस अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में कानून प्रवर्तन, अपराध रोकथाम और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने का काम संभालती है।
2. **कार्मिक :** भारत के राज्य पुलिस बल सामूहिक रूप से 2.5 मिलियन से अधिक कर्मियों को नियुक्त करते हैं, जो इसे दुनिया के सबसे बड़े पुलिस संगठनों में से एक बनाता है।
3. **राज्य बनाम केंद्रीय पुलिस :** राज्य पुलिस अधिकारी कानून और व्यवस्था संबंधित कर्तव्यों को संभालती है, जबकि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF), जैसे कि सीआरपीएफ, बीएसएफ और सीआईएसएफ, सीमा सुरक्षा और विशेष अभियानों में सहायता करते हैं।
4. **अधिकार क्षेत्र :** राज्य पुलिस का अपने राज्य के भीतर अधिकार क्षेत्र होता है, जो हत्या, डकैती और अन्य अपराधों जैसे अपराधों को संभालता है। हालांकि, केंद्रीय जाँच ब्यूरो (CBI) राष्ट्रीय महत्व के मामलों को अपने हाथ में ले सकता है।
5. **अपराध डेटा :** 2023 में, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) ने देश भर में 50 लाख से अधिक आपराधिक मामलों की रिपोर्ट की, जिसमें राज्य पुलिस बलों ने अधिकांश जांच और अभियोजन का प्रबंधन किया।
6. **सुधार और आधुनिकीकरण :** कई राज्य पुलिस आधुनिकीकरण, बुनियादी ढांचे में सुधार, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी एकीकरण, जैसे कि अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (CCTNS) पर काम कर रहे हैं, ताकि बेहतर डेटा हैंडलिंग और समन्वय हो सके।
7. **राज्य पुलिस बलों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना :** राज्य पुलिस बलों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है, केरल, तमिलनाडु और दिल्ली जैसे राज्यों में विशेष भूमिकाओं में महिला अधिकारियों की महत्वपूर्ण संख्या देखी जा रही है। हालांकि, कुल मिलाकर महिला प्रतिनिधित्व 10% से कम है।
8. **सामुदायिक पुलिसिंग :** कई राज्य सामुदायिक पुलिसिंग पहल को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसमें जनमैत्री पुलिस (केरल) जैसे कार्यक्रम पुलिस-पब्लिक संबंधों को बेहतर बनाने के लिए हैं

आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस की भूमिका :

1. **कानून और व्यवस्था को बनाए रखने में सहायक :** शांति बनाए रखना, नागरिक अशांति को रोकना और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना।
2. **अपराध की रोकथाम, जांच सार्वजनिक सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करना :** अपराधों का पता लगाना और उनकी जांच करना, सार्वजनिक सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करना।
3. **आतंकवाद का मुकाबला करना :** खुफिया जानकारी इकट्ठा करके, आतंकवाद से संबंधित तंत्र को बाधित करके और हमलों को रोककर आतंकवाद का मुकाबला करना।

4. **वामपंथी उग्रवाद और नक्सलवाद जैसे विद्रोह का दमन करके जड़ से समाप्त करना :** नक्सलवाद जैसे विद्रोह को आतंकवाद विरोधी अभियानों के माध्यम से संबोधित करना।
5. **भारत की सीमाओं और तटरेखाओं की सुरक्षा करना :** सीमाओं और तटरेखाओं को अवैध गतिविधियों से बचाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग करना।
6. **आपातकालीन स्थितियों में सहायता करना :** आपातकालीन स्थितियों में सहायता करना और प्राकृतिक आपदाओं या प्राकृतिक संकटों के दौरान व्यवस्था बनाए रखना।
7. **संगठित आपराधिक नेटवर्क को खत्म करना :** तस्करी, तस्करी और अवैध गतिविधियों में शामिल आपराधिक नेटवर्क को खत्म करना।
8. **साइबर सुरक्षा और डिजिटल अपराधों का मुकाबला करना :** हैकिंग, धोखाधड़ी और ऑनलाइन खतरों जैसे डिजिटल अपराधों का मुकाबला करना।

भारत में पुलिस बल से जुड़े सेवा को सुरक्षा की सच्ची दीवार बनाने के संदर्भ में दिए गए प्रमुख सुझाव :

1. **सामुदायिक पुलिसिंग और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में नागरिकों की सहभागिता :** समुदाय के साथ मजबूत संबंध बनाएं और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में नागरिकों को शामिल करें।
2. **उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने को सुनिश्चित करना :** अधिकारियों को तनाव कम करने, सांस्कृतिक संवेदनशीलता, पूर्वाग्रह और मानसिक स्वास्थ्य संकट हस्तक्षेप में प्रशिक्षित करें।
3. **जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करना :** बॉडी कैमरा की आवश्यकता, नागरिक निगरानी स्थापित करना और नियमित रूप से पुलिस डेटा जारी करना।
4. **अधिकारी कल्याण पर ध्यान देने की आवश्यकता :** मानसिक स्वास्थ्य सहायता और तनाव प्रबंधन प्रदान करें, और अधिकारियों के लिए कार्य-जीवन संतुलन सुनिश्चित करें।
5. **कुशल पुलिसिंग के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना :** डेटा-संचालित पुलिसिंग को लागू करें और अधिकारियों को गैर-घातक उपकरणों से लैस करें।
6. **पुलिस बल के उपयोग पर स्पष्ट और पारदर्शी नीतियाँ बनाने की आवश्यकता :** पुलिस बल के उपयोग के सख्त दिशा-निर्देश स्थापित करें और बल के उपयोग की तत्काल रिपोर्ट और औचित्य की आवश्यकता होती है।
7. **सार्वजनिक जागरूकता और और पुलिस के साथ सकारात्मक संबंध बनाने के लिए सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करना :** जनता को उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करें और पुलिस के साथ सकारात्मक संबंध बनाने के लिए सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करें।
8. **पुलिस से संबंधित विविध कार्य बल में स्थानीय भर्ती को प्रोत्साहित करना :** स्थानीय भर्ती को प्रोत्साहित करें और पुलिस नेतृत्व में विविधता को बढ़ावा दें।

निष्कर्ष :

- पुलिस प्रमुखों का 59 वां अखिल भारतीय सम्मेलन आतंकवाद निरोध और तटीय सुरक्षा जैसी प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। राज्य पुलिस सेवा आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन उन्हें जनशक्ति की कमी, पुराने बुनियादी ढांचे, राजनीतिक हस्तक्षेप और साइबर अपराध जैसे उभरते खतरों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बल को मजबूत करने के लिए, सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ाना, प्रशिक्षण में सुधार करना, जवाबदेही बढ़ाना, अधिकारियों की भलाई को प्राथमिकता देना और आधुनिक तकनीक को एकीकृत करना आवश्यक है। नेतृत्व में लैंगिक समानता और विविधता को बढ़ावा देने से जनता का बेहतर विश्वास भी बढ़ेगा।

स्त्रोत - पीआईबी एवं द हिन्दू।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न :

Q.1.भारत में आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस की भूमिका के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. पुलिस बल कानून और व्यवस्था बनाए रखने, नागरिक अशांति को रोकने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है।
2. पुलिस को मुख्य रूप से भारतीय सशस्त्र बलों के सहयोग से सीमा सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों का काम सौंपा जाता है।
3. भारत में कुल पुलिस बल के 30% से अधिक का प्रतिनिधित्व महिला पुलिस बल करती हैं।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

A. केवल 1 और 2

B. केवल 1 और 3

C. केवल 2 और 3

D. केवल 1

उत्तर - A

मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न :

Q.1. भारत में आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में राज्य पुलिस सेवाओं / पुलिस बलों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा करें तथा उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाने के विभिन्न उपाय सुझाएँ।
(शब्द सीमा - 250 अंक - 15)

Dr. Akhilesh Kumar Shrivastava

CSAT
CIVIL SERVICES APTITUDE TEST
PREPARATION
PLUTUS IAS
UPSC/ PCS
ONLINE BATCH AVAILABLE AT CHANDIGARH
STARTING FROM 18th DECEMBER 2024
Expert Faculty
Optimum Batch Size
Comprehensive Test Series- 26 Tests
One-to-one Mentorship Programme
CSAT
Our Centres Delhi I Chandigarh I Shimla I Bilaspur
Tap to Know More
2nd Floor, Apsara Arcade, Karol Bagh Metro Station Gate No. – 6, New Delhi 110005
www.plutusias.com
info@plutusias.com
8448440231